

व देवा गी मनुजाधिपे ॥ वाचं सुदुःखं मेप ॥ तं तान्
दिव्यं सर्वसुखं वाचनं ॥ प्रजापत्यादि ५ दशाभ्यां तं
हिकामा गी वाचयणं स्वापनं वाचयणं स्वापनं ॥ ५ ॥ पुनः
५ ॥ अल्लतु नये सिद्धिं कामनां वाचयणं स्वापनं ॥ ५ ॥ पुनः
५ ॥ श्रीसूक्तं अर्चनम् ॥ पुनः अर्चनं अर्चनम् ॥ ५ ॥ पुनः
५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥
५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥
५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥
५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥
५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥ तं तं तं ॥ ५ ॥

काये इत्यसो धनयाये पैचा कु इयके भक्त सुदि आता पूजा काये मोहनि कृये मा। लि। नि। कोने ॥
 कुमनी धीन धि स्थितये ॥ अज्य काये ॥ वेला गुल न्याव सकसित ताये विये ॥ ॐ अज्यादि
 ॥ ॐ का न धं डा क मा हतो मही अग्नि जला वह ॥ तावर्ष सुचिरै कारै काली चरस्था ये। स्थि
 रोभव ॥ स्थिरोभव महा देवी देवानी तनुना धिपे ॥ याव द्वा मि पर्यंत तावर्ष स्थिर
 माचरे ॥ सर्वल। सप्तपुत्र ध्युर्थ शर्व सनु स या य व ॥ अष्टम्यादि द्वा म्यांत दुर्गे देवी धी
 रोभव ॥ ॥ असमर जये विकाम नाथे महा अष्टमि पार्वण्डे दुर्गे देवी निमित्त ध्यु
 चरस्था ये। स्थिरोभव ॥ २ ॥ पैचवलि पूजा याये ॥ समये द्वाये ॥ जप स्तोत्र ॥ ऐं ५
 देवी पुर्व विषाख त्वरुण शिव करं शत्रु पाल विनेत्रं ॥ या देवी योगिनी भीम सकल भय हर

रक्त वासु शिड कार्या ॥ नौ तिथी विधि के द्वां परम सुकरं पैचक व द्वा एव ॥ तव क
 जका ना हरतु भव सदा संसृत करोतु ॥ पंचवत्सवर्ष विधे तत्सर्व विधि परि पूर
 नमस्तु ॥ विंदु ॥ धी सर्वती ॥ ऐं ५ नौ अनंत मण्डल थी आदि देवाय पा. पू ५ ॥ ऐं ५ नरस
 नाय पा. पू ॥ ऐं ५ मूसा सनाय पा. पू ॥ ऐं ५ गंगण पतये पा. पू ॥ ऐं ५ द्वां सव शा लाय पा. पू ॥
 वली गृध्र स्वाहा ॥ तयुग सनाये पा. पू ॥ शिवतु कनायाये पा. पू ॥ वालि ॥ इन्द्र तर्ज वि
 गजसु द्वां इहीयेतु ॥ विंदु ॥ ऐं ५ तयुग सनाये पा. पू ॥ ५ ॥ ऐं ५ को कुं हि धी धी वाव को
 माहि विवे पा. पू ॥ ३ ॥ वालि ॥ विंदु ॥ शक्ति मुद्रां इहीयेतु ॥ विंदु ॥ तत स्थं शिड लाव
 र्ति ॥ अकी द्वां ॥ ऐं ५ अग्ने श्री श्री इव द्वां व सुद ल क गानी नाग पद मा हने पनी न हाये वेद
 गी युग डि शि सुगत दार बागु ये पुर्त ॥ वाये जाला प्रवर्त सगण गण युत मध्य स स्थो ग्रवी

ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

अंशुदस भुजा कीर्ता । दिव्य वाञ्छी विभूतिता ॥ बडु वाने तथा च कं वशी कुं चारु ॥
 दस दधुल पार्श्व दक्षिणेन विहता ॥ देवार्क चतुर्हस्ती च गडार्ध दधुलो भित्त ॥
 तर्जनी हस्ती च खड्गी के ल पालक ॥ विंदु मुद्रां मन्त्रा सिद्धी ध्यायेत् भगवती वर्ण ॥ सिंह
 सार सता दधुल महोद्या सादवर्जिता ॥ महोद्या सुर निहीरी च सर्व दैत्य विनासिनि ॥ लेखी
 ओदरा हस्ता च खड्गी दस दधुल विना ॥ दृढ वल्लभ प्रवर्ण्डा च चण्डो ग्रा चण्ड नायिका ॥
 चंडा चण्डवती चैव चण्डिका ति चण्डिका ॥ तपती चो ग्रवंडा च मध्य ल्याग्नि प्रपोधीता ॥
 लेखना भारा धरुणा नीला कुन्दा बधुं मृका ॥ पीताम्बु पाण्डला शोका आलिखत्या
 हरी स्मिता ॥ महोद्या प्रसन्न स्त्री तन्त्रि ॥ ३५ ॥ दृष्टि ॥ स्वाप्य वतेन च तथा वा ३५
 चण्डा इति क्रमात् ॥ येषु ध्यात्वा महादेवी महा भगवती नमो मुने ॥ ध्यात्वा पूर्विका ॥

[illegible]

पू॥ हैं ५ वचावे पा पू॥ हैं ५ केशलावे पा पू॥ हैं ५ कर्ण लावे पा पू॥ हैं ५ वजासनावे पा पू॥
 सिंहलावे पा पू॥ हैं ५ महिलासनावे पा पू॥ ध्यान॥ हैं ५ लावे एतहा देवी हेमम्बा मांग
 दृष्टि॥ लकीली कोला सो भाव वीनो लस वयो धरा॥ जाला खलित मध्यस्था को वैज्वलित
 विग्रहा॥ हाडसेता भुजा दे विवास दक्ष चधारिणि॥ खड्गधारि तथा शक्ति त्रिशूल वक्रदण्ड धारि
 फल धारि कुक्षी कर्ण कुहा रीवास के करि॥ सिंहलसनलमा दृढा महिषासनाय विणि॥ शूल क
 क्षी च प्रातानि को धौ श्रुता रिधा दीनि॥ ध्यावे ता नास हा देवी सर्व सनुपा वी को॥ जपा को दे
 वता वृत्ता ना लावे एत नमो लुते॥ ध्या ननु र्प नम॥ आवाहना दे वी द नमो॥ नमो नमो॥ नमो॥
 हिस श्री महा दुर्गे चारिड ना लावे ये पा पू॥ ३॥ बलि॥ यो निमुडी दल वेद॥ ततो पूजा पा पू॥
 हैं ५ लो गकाय पा पू॥ हैं ५ विजपाय पा पू॥ हैं ५ अमिताये पा पू॥ हैं ५ अपरा किताये
 पा पू॥ हैं ५ गीतये पा पू॥ हैं ५ आर्क लये पा पू॥ बलि॥ आवाहना दे वी द नमो॥

स्वस्वमुद्रां ५ लवे ॥ वी५॥ हें ५ - सुँ लं भने पाप ॥ हें ५ - सुँ मोहने पाप ॥ कोरे सुद्रां ५ लवे ॥
विं ५॥ ५ ति का पावे पाप ॥ ततो नु वे धा पु ५ ॥ न्याल ॥ हें ५ त अ द्या वे ५ ॥ हें
तां ५ का वे पाप ॥ हें ५ ती सि ए ले त्या हा पाप ॥ हें ५ ती शि का वे व ५ पाप ॥ हें ५ ते क व मा वे ५
पाप ॥ हें ५ ते ने व च पा वे व ५ पाप ॥ हें ५ त अ द्या वे ५ पाप ॥ आ ली ॥ हें ५ आ धा ए
वा क वे पाप ॥ हें ५ अ नी ता य का वे पाप ॥ हें ५ ली धा य का वे पाप ॥ हें ५ अ क ला वे पाप ॥
हें ५ ना ला वे पाप ॥ हें ५ व का वे पाप ॥ हें ५ व चा वे पाप ॥ हें ५ के श ला वे पाप ॥ हें ५ क
हि का वे पाप ॥ हें ५ मि हा य का वे पाप ॥ हें ५ त ही का य का वे पाप ॥ धा नी ॥ हें ५ तु वे ध
रि न हा दे वि न मा ती रि पु चा वी ए ॥ इ ति रि पु ल्या नी मा या स्व ली म धो वि वि ति यो ॥ ल
वी ली मा र मी पु का हा ए मा ला व ली वी वि ॥ अ वा द हा पु मा का ता वे त व च ल म हा ॥

बहु द्रा ति त था बा ए म कु ली मु ह ए रि च ॥ व द्री ये व दाला नी य व क कु ली व ५ वि ले ॥
दे द की पा द गी डी व त र्ज नी ५ वि ए व री ॥ इ म्ब द ली कु ली मा य धा ए वे वा न दे पु मे ॥
लि हा ल न ग ता दे वी प्र भा नी धा रि ले च ए ॥ म हा म ही व मा द हा दे वा का दे व वि नी ॥
श ले न म हि का धा रि व न म धा ल भै व च ॥ को ध द पा व ता ऐ च आ ला द पु लि वि ले च ए ॥
धो वे मा ना ल द दु र्गे न मा ती ल र्ज दे व ती ॥ धा न पु ली पा प ॥ आ वा हा ना वि ॥ वि यो मालि ॥
हें ५ ह ॥ म ग व ती च रि ड का त्या य ए ५ तु वे ध यो पा प ॥ ५ ॥ व लि ॥ को रि मु द्री ५ ल वे
५ ॥ त मी त म रि वा ए र ग नी ॥ हें ५ अ ५ ल्या य ए पा प ॥ हें ५ नी मा हे द्य वे पा प ॥ हें ५
व को वे मा वे पा प ॥ हें ५ ए वे धा वे पा प ॥ हें ५ त का हा पा प ॥ हें ५ त ई डा व ने पा प ॥
हें ५ यी का मु द्रा वे पा प ॥ हें ५ इ त हा ल वि पा प ॥ हें ५ व लि ॥ प च रि म ल ना कि मी व

हे वीरसि ॥ इति स्थापना पूजा ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ सर्वदशा पूजा वाये ॥ अनीलि पूजा ॥
 माही काल बराड पूजा ॥ हे ५ हुं माही कालाय सर्वदशाय नमः ॥ वलि ॥ श्री बराड पूजा ॥
 हे ५ श्री बराड कालाय सर्वदशाय नमः ॥ वलि ॥ अनीलि मूलस पूजा वाये ॥ कलश पूजा ॥
 ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥
 ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥ ॐ शुभं कुरु ॥
 आधा एडि ॥ वृत्तानाये वा ॥ हे ५ सिंहनाये वा ॥ ध्यानी ॥ ब्रह्मकोटी प्रभाते च
 वीरसि कृतसेवा ॥ हे काश्यप लोचन त्रीणि विभुधा हाट मधा ॥ तुलसीनाम महात्मनी
 श्री गणेशाय नमः ॥ मृत्पुंजये ललाटे च वराभय दूषधा ॥ इत्येकलसे दुर्लभो
 कलादादा ॥ त्रिवेद्यस्य ॥ नाना एव सोमजी हाटके पुट मारि ता ॥ चंद्रमा त्रिच संपुट

श्री विष्णु पट्टसेवा ॥ ध्यान पुस्तक ॥ चर्चा ॥ गली ॥ हे ५ क्व ॥ वृत्त ॥ श्री लक्ष्मी
 द्वाये वा ॥ वलि ॥ हे ५ क्व ॥ इति गणेशाय नमः ॥ वलि ॥ हे ५ क्व ॥ इति गणेशाय नमः ॥
 भयो वा ॥ हे ५ प्रतिपदा तिथि भयो वा ॥ हे ५ आश्विन्यादि नक्षत्र भयो वा ॥ विष्णु
 भादि योगे भयो वा ॥ मेवादि राशि भयो वा ॥ हे ५ वसिष्ठ दि-मृति भयो वा ॥ हे ५ ग
 गादि सप्तदश वा ॥ वलि ॥ ॥ त्रिशूल मुद्रा इत्येव ॥ इति कलश पूजा ॥ ततो मुं भूमा
 न्यास ॥ हे ५ श्री ह्रिदयादि ॥ आसनी ॥ हे ५ आधा एडि ॥ हे ५ का ए स नाय वा ॥ ध्यानी
 लाभा ए स निभा देवी ॥ वरा ए स स पुमा ॥ सर्व एव विविधा किं त्वं विष्णु भूत विष्णु हा ॥ अ
 वा दहा भुजा दिव्या नाना प्रहृणो ज्ञाता ॥ नाना एव धर्मा देवी चैलो व्यपनी च विज्ञाते ॥ एव
 कृपा शक्ति द्या सव्य कपाल कृति सधर्मी ॥ एवा क्व चतुर्धा धर्मा नवनी च वरुण ॥ हे

ॐ धनुषाक्षी च खड्गी गन्धर्व सप्त राशि ॥ मूल सुकुट वें ए दु च मणा ति यो तरे करे ॥ श्री ५ ली
वेष्ट विद्यातु नडी भूग डि स रिता ॥ गु सी ति पात का सर्वा सुवा मणा मता को द्रवा ॥ ध्यान पु
र्व नम ॥ नयी मलि ॥ हें ५ लु ॥ लु ॥ धी कल कु भावे पाप ॥ ५ ॥ बलि ॥ हें ५ वृत्ति
न्या डि ना वी काग ले भय पाप ॥ ५ ॥ बलि ॥ को नि पु डी दल वे ॥ वि ५ ॥ इति क म
जा ॥ ततो स गुण पू ॥ ५ ॥ आ धा ए डि ॥ हा हि ५ वा डि न्या ॥ ५ ॥ आ ल न ॥ हें ५ आ धा
ए डि ॥ प जाल ना वे पाप ॥ नयी मलि ॥ लु ॥ लु ॥ अ ध धा मा ॥ अ ध वि री मा
वि भो पाप ॥ बलि ॥ हें ५ अ ध धा मा पा ॥ पाप ॥ ५ ॥ व ला वे पाप ॥ हें ५ व
ला व पाप ॥ हें ५ ह नु मी त वे पाप ॥ हें ५ वि ॥ मी ॥ ल ला वे पाप ॥ हें ५ ल ला वा
व पाप ॥ हें ५ प र लु ए ला वे पाप ॥ हें ५ ना के ए डे व पाप ॥ बलि ॥ वि ५ ॥ इति क

गुण पू ॥ मा ही काल बलि पू ॥ श्री हि ५ वा डि न्या ॥ ५ ॥ आ ल न ॥ हें ५ आ धा
डि ॥ हें ५ मा हा वे ला ल ना वे पाप ॥ ध्या नी ॥ हें ५ मा हा वे ला ल ना द हं ध हं
मली ॥ ऐ का र्थी लो चनी मी स व के ए के मि रो हू ॥ पी गा धा म्मी पी गा क नं न लो का
की म ले ५ ॥ धा धु च र्म प रं धा नी लि ह च मी त ए व र्म ॥ ए व ल र्म र्म का ल त लु ए
डि वि भू वि ती ॥ व डु पे त क पा र्म च वि डु ख वी ग डि ए डि मी ॥ वि डु को ५ म हा म र्म क
वी धा हा ट भू वि ती ॥ हें ५ धा धा मा हा का र्म मे र्म भू व ले धा र्म ॥ ध्यान पु म्मी पाप ॥ नयी
मलि ॥ हें ५ हें मा हा काल मे र्म वा वे पाप ॥ बलि ॥ हें ५ की व ट त प र्म र्म मी अं लु पु र्म आ गने
व वा म्म ने म ले वा दृ ए वा व म उ त ट र्म र्म अ धो उ र्म पी ठा धि का रे म्म हें ५ वि पु र्म
त क आ नी वे ला ल आ नी मि ह का ला धा का पा लो द्वा ऐ क पा द मी स हृ प हा र क अ ध र मे र वे

भव महा लक्ष्मणा नाधी पतवे भव सीते भव जगण पटी जाहे भव ॥ इई प्रया पुसा धूप दीप पूजा
 पुथो प नीत वली गुरु - ध २ मम दा जुं मदी २ सर्वा वरि सिद्धि मे प्रवे छ स्वा हा ॥ १ ॥
 खड्ड मुडी इरि वे ॥ विं दु ॥ अथ को अवली पूजा ॥ ज्ञान ॥ भां हि इ वरि इ ॥ ओं नमो देवा
 हें ५ नमो नाक पा पू ॥ ध्यानी ॥ हें ५ मुंडाला धरि देव खड्ड खडा ॥ अथ ॥ १ ॥
 देव देव कर के भिषी ॥ विं दु ॥ कोटी सप्त पक्षी विने चि हें ५ पुनि ॥ अथ पा ली ॥ १ ॥
 नय स्थान वा सिनी ॥ अथ न पुष्पा पा पू ॥ अथी मालि ॥ हें ५ भां दे ॥ अथ को नाक ॥
 रवाळ पा पू ॥ अथ ॥ हें ५ जुं वी चि हें ५ पुनी पुवा ग व दूला को ला पु हें ५ अ हें ५ न
 अथि न काम ॥ देवी को व दाने मय आल ॥ १ ॥ ५ ॥ अथ को धा ३ ॥ अथ को ॥ १ ॥
 अथ को ॥ १ ॥ ५ ॥ अथ को ॥ १ ॥ ५ ॥ अथ को ॥ १ ॥ ५ ॥

[illegible]

विदुषीच चासुगडा प[र]मेश्वरी॥ ध्यानपुष्पी पा.फु॥ वर्यीमालि॥ ८ ॥ त्र्येणं श्रीसिद्धि
चासुगडावे पा.फु॥ ३॥ वालि॥ हें ५ नेहीं नडिवा नमालीधर पूर्योनि ॥ १॥ वीहाय.
॥ लिंगरु २ स्वाहा॥ हें ५ हृदयगडा दि वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ मयादि वालिं गुरु
२ स्वाहा॥ हें ५ वंजिगयादि साचीका गणे भय. वालिं गुरु २ स्वाहा॥ वो निपु
दंडिदु॥ विंहु॥ सुरु कमाकाये॥ ततो वालिप्रदानी॥ हें ५ लो भव पा ला य
वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ वीवरु कमाभावे वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ मीगलापत
वे वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ हुं महाका लायवालि वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ त्र्येणं ३ गु
चलडा दि गणे भय वाली गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ त्र्येणं श्रीसिद्धि चासुगडा वे वालिं गुरु
२ स्वाहा॥ हें ५ आसिता डा दि गणे भयो वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ मयादिग

णे भव वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ वल्ल्यायादि साचिका गणे भय वालिं गुरु २ स्वाहा॥
हें ५ हृदयगडा दि गणे भय. वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ हुं महाका दि गणे भय. वाली गुरु २
स्वाहा॥ हें ५ प्रकागा दि गणे भय. वाली गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ हुं महाका दि गणे भय. वाली गुरु २
गव वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ सर्वे भय को गि नि गणे भय. वालिं गुरु २ स्वाहा॥
हें ५ सर्वे भय भूले भय वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ आकासचाट्या सकास भय. वालिं
गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ अमरु दि गणे भय वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ वरीसी वा गि नी गणे
भय. वालिं गुरु २ स्वाहा॥ हें ५ चतुर्वि को गि नी गणे भय. वालिं गुरु २ स्वाहा॥
ततो महा वालि॥ सदावे वालि॥ सर्व पीठे प पीठे निकाये पकाटु मेवच॥ भो श्रीप
॥ १॥ त्र्येणं श्रीसिद्धि चासुगडा वे वालिं गुरु २ स्वाहा॥



[illegible]

दिवा मुं एका ली भवानना ॥ लो गि एो र्व हि देवे सि कुला वर वि भूषत ॥ अ
देवी रक्षाणि बहुदृष्टिणि ॥ ईश चेव तु आग्नेयी वा स्यी ने अत्य बाहुणी ॥ वावे
रा चे द्वा यी च उ दा हिता ॥ प्रकाशा वद एण कोला अह हा सा ग यी ति का ॥
न देवी को द सा चा व र्क ॥ आसि तां गा दृ दृ द्य एउ को ध उ अ य भै ए व ॥ अ पा मी भी न व
ये व संधा र स्ये व चा व मः ॥ तथा का भी उ मा देवी दे व दु ती न सो मु ती ॥ अ द का भी मा हा देवी
य र्म मू ए डी भ वा ब हे ॥ न हो च द व्यो महा सा ते न म लो म कि द पी ए ॥ अ र्म मू चै ते स्वा
ही ते द वा र्व कु द व ल स ले ॥ आ न र्म ते मा हा सा ये ए त दि द्या नि वे दि ति ॥ अ र्म मू चै ते स्वा
ते लो च र्व संधै ये व तु मा न वः ॥ प्रा षो ते चि ति ता मा सा र्म मू चै ते स्वा
यो कु ला ति का मू वे ति व ल कि ल स र्व मा हा सा यो च ल मा मू चै ॥ अ र्म मू चै ते स्वा

द ला का र्म चा र्म ले न च रा च र्म ॥ ल द प र्म र्म ले न र्म मू चै ते स्वा
व दु के र्म च ग ए र्म वि द्य हा र्म ॥ र्म मू चै ते स्वा
वि ने च ल र्म मू चै ते स्वा
ला र्म मू चै ते स्वा
आ स्या वि त र्म मू चै ते स्वा
अ र्म मू चै ते स्वा
॥ उ प म मू चै ते स्वा
वि र्म मू चै ते स्वा

मोहनी। लेशावे सत्यो॥ वलीथोवे सत्यो॥ मूर्खसाहि काय॥ इति महाभक्तिवृत्तः॥

नौ सिद्धं न धयेत् पूजयाये ॥ गहं स्वायेत्तुं दाये ॥ तर्धं तु तेन दाय ॥ कुंते क
जायाये ॥ लक्ष्मिं प्रसादये ॥ तर्धं दाये कुंते न स स्वायाये ॥ भोग ॥

[illegible]

ਜੇ॥ ਹੁੰਗਾ ਕਰੁ ਪਾਏ ਸੁਨਏ॥ ਮੋਸੀ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

धी गहो क्षाये नमः ॥ अथ मा. लि. लि. तो च ॥ ॐ नमोः धी मा हा भैरवायः ॥ धी भै ॥ ३ वाच ॥ नव वर्ष मा
 नि दे वि नी म ले म ल ना हो गो ॥ शा न क्षा नि प्र भू दे वी वृ ठि त्व ते न व ठि नी ॥ न न नी सर्व म ता नी सं सो रे सिं
 थ व न धि ता ॥ मा ता वी ए व ती दे वी का द न्य कृ द वा स ते ॥ न वी ति व ट स त र्व वि र्वा ण म भ ॥ ते गो म र्द नि ॥
 ह्म ता थ कृ द वा प ट मा न स नी वि ति च्छां के वा ॥ म कु ला रि गु रे वा पु नः स प्र ना ते उ व ट ॥ कं टा ड ला
 का द वा प्र भू र्द स नि लु स गी य सिः ॥ भा सु हा ज्यो ति द वा ह्म द वा हो वाः जे ह्म ना मा च वा मा च
 हो वि स ना दा वि का ॥ वि नु द वा व ध र्ग र्ध चं डा कृ ति ह्म वि क्रो णी अ उ म का ट भौ का ट ह्म
 सी को य गो ॥ त त्व द वा ह्म द वा भ ग का ट व णा वि नी ॥ आ दि तः धा त त लो हं वा को नि त ह्म द
 वा च नी क टा ह ली सो हि नी ॥ द द मा ता त था न त ल मिः ज ल ह्म ति सु ह्म म ला र्द वा नी ॥ भा ट

भक्तिः ति श्री सा नि का स्था न भ ता ह रा व्या च ग ए ठा स भो । के स ज्ञा नि का ह्य ही म भू ए वि ता । तै मा हा
 ले न ली भो मि नी वी इ लां ता म ता वि दु र्म मो हि नी ॥ स्प द हे ह लू ता ग्रा य स म्य कृ प ए नं द नि र्वा ण लो क्य
 प्र दे भ ए वी भो ए रो ज्ञा न ज्ञा न की डा नु हा के प ए ता लि नी दृ ड सा ला वि ते दृ ड स । के । वं गा मि ति
 के मे थ री सि ङ्ग सा ता वि भू स न द रा सी ति को न्या र्णी वी ॥ वा ग् वि भु डा शि वा मि ति वा गी र्वा ता
 वि का सि ली मि च्छा । के वा म कु ला मि ति वा वि तः वि श्वा मि भु मि र्म ति । सा थ ति र्वा ति ना ए
 व री ॥ ए क च ए डा कृ ए ले ष ना भी म द पा म हा च्छु क्सा को ग वि वा ली म वा । पा गि ता । दृ ड ली मो ही नी
 हे क न म डि ग म वि म क च तु र्म य व ए स म म मो ल व ने ॥ सां भ ने लो च ए रो मु र्मो पृ ष्ठा मि का
 व ये म अ मी स वि ये ॥ को ग वि ज्ञा व को द मा मि भी मुं ड की काल का पा मि के ॥ दि ष्वा व र्म्या नु दं
 मं च न म क्का ए उं का ए म्वा हा ल व हा का ए वो व ए व व द का ए ह का ए व द का ए मा ति भी ए न ते

मा से रो च री मि र्वा म ह ला मि ति ॥ अ म ल्वा म ली ना मि भी । सा थ के । पु र्म के सा व भी मी ए ड
 ले री वि ते को मि नी व द मे ला व के दृ ड की डा ए ले व ज्ञा को मो नी को ग मि ति प्र दे ॥ दे वी ली व वा
 प जो ल ने लो च ने । लो क्क ए स ह्य ली व ले । त ल्य दि ष्वा ना रि वा लि ता स म पा ता ल । ली व री मि
 डि ए वा हा ना व र्म ते ॥ म । के तो व । प ठे । इ ए ड की ए क काली डि काली । के काली च तु र्म य व व द
 स म चा वी लु चि । स लो ए ज्ञा । म रा म न व । लो वि चो ए मि म र्वा ए वि व र्म ता ग्रे वि ली ए
 धा ले ॥ दे वी पृ चानु ए मा म हा वा मी प्र दे ॥ हे म र्मो मि डा द ए स क्क वे अ ल व गो द्रा म ह । के
 व ड वी वि भु य मि स ल्वा प दे वि । व डी व म्म ली क्क र्म डी नु क र्म ॥ ए द्वा वि य मा । लो क
 स द क्क ए ड लो वृ ष्ठा म ए ड क्क ली वे वि व क्की दृ धे व र्म ने । ना ग पा ले मु र्म व को जा ड विं डु र्म
 नि म हा का लि काला मि ले म प्र दे ॥ ए क ड गो विं ड अ ली ड व ड र्म र्म व र्म ने मो र्म म । ना

Table 1

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

Table 2

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

100

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

100

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100

সংগ্রহ
877
ASHA ARCHIVES